SONOPANT DANDEKAR ARTS, V.S. APTE COMMERCE AND M.H. MEHTA SCIENCE COLLEGE, PALGHAR

Department of Hindi

PROJECT REPORT

TYBA - Hindi

Academic Year 2022-2023

Prepared by

Department of Hindi

Sonopant Dandekar Arts, V.S. Apte Commerce and M.H. Mehta Science College, Palghar

INDEX

Sr. No.	Content
1	Notice for Project Submission
2	Curriculum where course (subject where project work/ field work is required)
3	List Learners with Project titles
4	Sample Projects

Sonopant Dandekar Shikshan Mandali's
Sonopant Dandekar Arts,
V. S. Apte Commerce &
M. H. Mehta Science College, Palghar
Estb.: 14 August 1968
Dr. Kiran Save, Principal

Kharekuran Road, Palghar (W), Tal. & Dist. Palghar,
Maharashtra - 401 404, INDIA
Tel. : +91 - 2525 - 252163
Principal : +91 - 2525 - 252317
Email : sdsmcollege@yahoo.com
Web. : www.sdsmcollege.com

Ref No.:

Date : 24/08/2022

सूचना

तृतीय वर्ष कला हिंदी विषय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दि. 25 सितंबर 2022 तक सभी हिंदी पेपर नंबर 6 हिंदी में सूचना प्रौद्योगिकी विषय के प्रकल्प जमा करें| अध्यापक कक्षा में आकर सभी अपना प्रकल्प जमा करेंगे |

T. Sangita

डॉ संगीता ठाकुर
हिंदी विभाग अध्यक्ष

K. Save

डॉ. किरण सावे
प्राचार्य

Principal
Sonopant Dandekar Arts College
V. S Apte Commerce College &
M. H. Mehta Science College
Palghar (W.R)
Dist. Palghar Pin 401 404.

University of Mumbai

No. UG/ 30 of 2019-20

CIRCULAR:-

Attention of the Principals of the Affiliated Colleges and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty is invited to this office Circular No. UG/60 of 2018-19, dated 6th July, 2018 relating to the revised syllabus as per (CBCS) for the T.Y.B.A. in Hindi (Sem. V & VI).

They are hereby informed that the recommendations made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 9th April, 2019 have been accepted by the Academic Council at its meeting held on 15th April, 2019 **vide** item No. 4.25 and that in accordance therewith, the revised syllabus as per the (CBCS) for the T.Y.B.A. (Sem. V & VI) in Hindi has been brought into force with effect from the academic year 2019-20, accordingly. (The same is available on the University's website www.mu.ac.in).

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

MUMBAI – 400 032
3rd June, 2019

To

The Principals of the affiliated Colleges and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty. (Circular No. UG/334 of 2017-18 dated 9th January, 2018.)

A.C./4.25/15/04/2019

****

No. UG/ 30 -A of 2019 MUMBAI-400 032 3rd June, 2019

Copy forwarded with Compliments for information to:-

1) The I/c Dean, Faculty of Humanities,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Director, Board of Examinations and Evaluation,
4) The Professor-cum-Director, Institute of Distance and Open Learning (IDOL),
5) The Director, Board of Students Development,
6) The Co-ordinator, University Computerization Centre,

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus
And
Pattern of Question Paper in the Subject of
Hindi
At the
T.Y.B.A. Examination

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

(Paper – IV,V,VI,VII,VIII,IX)

(With effect from the Academic Year: 2019-2020)

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus andPattern of Question Paper in the Subject of Hindi at the

T.Y.B.A. Examination

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

(With effect from the AcademicYear : 2019-2020)

हिन्दी अध्ययन मंडल

अध्यक्ष : डॉ. अनिल सिंह

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय(सदस्य)
2. डॉ. हूबनाथ पाण्डेय(सदस्य)
3. डॉ. विद्या शिंदे (सदस्य)
4. डॉ. शीला आहुजा (सदस्य)
5. डॉ. चित्रा गोस्वामी(सदस्य)
6. डॉ. संतोष मोटवानी(सदस्य)
7. डॉ. प्रकाश धुमाल(सदस्य)
8. डॉ. गौतम सोनकांबले(सदस्य)
9. डॉ. मोहसिन ख़ान(सदस्य)

पाठ्यक्रम समिति

1. डॉ. प्रकाश धुमाल (समन्वयक)
2. डॉ. मनप्रीत कौर (सदस्य)
3. डॉ. विद्या शिंदे(सदस्य)
4. डॉ. शीला आहुजा(सदस्य)
5. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)
6. डॉ. गौतम सोनकांबले(सदस्य)
7. डॉ. मोहसिन ख़ान(सदस्य)
8. डॉ .एस.के. पवार(सदस्य)
9. डॉ. संजय सिंह(सदस्य)

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

T.Y.B.A.HINDI COURSE - VI
(Social Media)
CourseCode– UAHIN– 603
कुल व्याख्यान-45

SEMESTER – VI
Credit - 4
प्रश्न पत्र —VI
सोशल मीडिया

इकाई I

- सोशल मीडिया का स्वरूप, प्रकार और विकास
- फ़ेसबुक, व्हाट्सअप, ट्विटर, मैसेन्जर, इन्स्टाग्राम में हिंदी, ब्लोगिंग और हिन्दी, सोशल नेटवर्किंग साइट और विज्ञापन, एफ.एम.रेडियो और हिंदी

इकाई II

- सोशल मीडिया के प्रभाव
  राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, युवाओं पर, बच्चों पर, महिलाओं और वृद्धों पर प्रभाव
- मुक्त अभिव्यक्ति और सोशल मीडिया
- सोशल मीडिया की प्रचलित भाषा, समाज और संस्कृति के अंतर्प्रभाव

इकाईIII

- सोशल मीडिया और क़ानून
- सोशल मीडिया और बदलता हुआ भारतीय परिवेश
- सोशल मीडिया की उपयोगिता एवं उपलब्धियाँ

इकाई IV

- सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रसार और प्रयोग
- सोशल मीडिया समस्याएँ, चुनौतियाँ और सीमाएँ

सूचना : प्रकल्प — २० अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

PROJECT WORK – 2022-2023

Department : Hindi

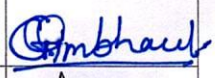

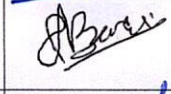

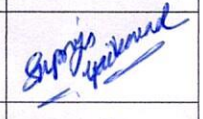

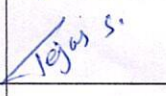

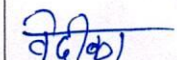

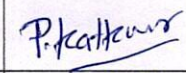

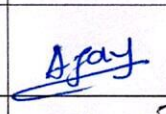

Sr. No.	Name of the students	Project Title	Signature
1	Shinde Komal Anil	सूचना प्रौद्योगिकी अर्थ स्वरुप परिभाषा एवं महत्व	
2	Gimbhal Ruchita Raju	सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगिता	
3	Bari Achal Vishnu	सूचना प्रौद्योगिकी अर्थ परिभाषा, स्वरुप और विकास सूचना प्रौद्योगिकी हिन्दी सॉफटवेअर परिचय, अनुप्रयोग और महत्व	
4	Gaikawad Supriya Sunil	सूचना प्रौद्योगिकी की समस्या सीमाएँ और चुनौतियां	
5	Sankhe Tejas Kumar	सूचना प्रौद्योगिकी अर्थ परिभाषा स्वरुप और विकास	
6	Bonge Vedika Sadanand	आधुनिक शिक्षा प्रणाली में सूचना प्रौद्योगिकी	
7	Katkar Priti Vinod	सूचना प्रौद्योकिी एवं हिंदी भाषा	
8	Chaudhari Abhayraj Pankaj	सूचना प्रौद्योगिकी का शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगिता	
9	Singh Arti Madhav	सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरुप	
10	Gharat Akhil Subhash	सूचना प्रौद्योगिका : अर्थ परिभाषा और सूचना प्रौद्योगिकी का व्यवहार क्षेत्र : सामान्य परिचय	
11	Dhodi Nikita Dashrath	डिजिटाइजेशन और हिंदी	
12	Bari Samruddhi Vijay	सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि विभिन्न संस्थाओं की भूमिका एवं योगदान	
13	Sutar Kanchan Sampat	सूचना प्रौद्योगिकी : अर्थ, परिभाषा, स्वरुप और विकास सूचना प्रौद्योगिकी : शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता	
14	Padosa Dipak Prabhakar	संचार माध्यम और रोजगार की संभावनाए	
15	Pagdhare Namrata Narottam	प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का विकास कठिनाइ और उपयोगिता	
16	Rajbhar Achal Pappu	सूचना प्रौद्योगिकी का जीवन में सकारात्मक एवं नकारात्मक	
17	Jadhav Abhishek Ashok	सूचना प्रौद्योगिकी का जीवन में सकारात्मक एवं नकारात्मक	
18	Patil Sahil Anil	गूगल अनुवाद उपयोगिता समस्याएं	

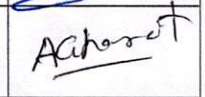

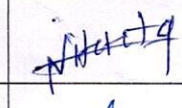

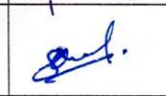

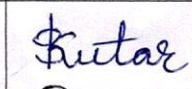

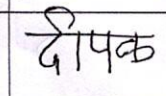

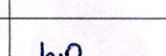

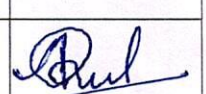

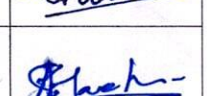

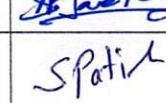

Head of the Department

कॉलेज का नाम :- सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय पालघर

नाम :- कांचन संपत सुतार

कक्षा :- तृतीय वर्ष (कला)

हजेरी क्र. :- 670

विषय :- हिंदी

सेमीस्टर :- 5

मार्गदर्शिका :- डॉ. संगिता ठाकुर मॅडम

सन :- 2022-23

प्रकल्प का नाम :- • सूचना प्रौद्योगिकी :- अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विकास
• सूचना प्रौद्योगिकी :- शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

(10)	ज्ञान निर्माण में आई.सी.टी. की भूमिका	11-12
(11)	सूचना एवं संचार तकनिकी के विविध साधन और उनके उपयोग के संभाव्य क्षेत्र	13-15
(12)	शिक्षा के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी की आवश्यकता और महत्व	16-17
(13)	सारांश	18
(14)	निष्कर्ष	19
(15)	संदर्भ-सूची	20

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

अनुक्रमणिका

क्र	विषय सूची	पृ. क्र
①	प्रस्तावना	1
②	शिक्षण उद्देश्य	2
③	सूचना प्रौद्योगिकी - अर्थ एवं परिभाषा	3
④	सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व	4
⑤	सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न घटक	5
⑥	सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव	6
⑦	सूचना प्रौद्योगिकी का भविष्य	7
⑧	महत्वपूर्ण लिंक	8
⑨	शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की उपयोगिता	9-10

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* प्रस्तावना *

आज के युग में जीवन का प्रत्येक पक्ष वैज्ञानिक खोजों तथा अविष्कारों से प्रभावित है। शिक्षा के क्षेत्र में रेडियो, टेलीविजन, लिंग्वाफोन, संगणक आदि का बढ़ता हुआ उपयोग शिक्षा को तकनीकी के निकट लाता जा रहा है। शिक्षा शास्त्र का कोई भी अंग, चाहे वह विधियों-प्रविधियों का हो, उद्देश्यों का हो, शिक्षण प्रक्रिया का हो, या फिर शोध का हो, बिना तकनीक के अपूर्ण रहता है।

सूचना एवं संचार तकनीकी का विकास बहुत तेजी से हो रहा है। वस्तुतः संपूर्ण विश्व सूचना एवं संचार तकनीकी का प्रयोग अपनी आर्थिक एवं सामाजिक समृद्धि के लिए एक प्रभावी साधन के रूप में कर रहा है। भारत ने भी इस क्षेत्र को काफी प्रमुखता दी है और राष्ट्रीय स्तर पर कई निर्णायक कदम उठाए हैं। भारत के विकास में सूचना एवं संचार तकनीकी का बहुत बड़ा योगदान है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* शिक्षण उद्देश्य *

i) सूचना एवं संचार तकनीकी का अर्थ समझना।

ii) सूचना एवं संचार तकनीकी साधनों का ज्ञान प्राप्त करना।

iii) सूचना एवं संचार तकनीकी साधनों की उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त करना।

iv) सूचना एवं संचार तकनीकी साधनों के उपयोग के संभाव्य क्षेत्र का ज्ञान प्राप्त करना।

v) सूचना एवं संचार तकनीकी की शिक्षा में आवश्यकता एवं महत्व की जानकारी प्राप्त करना।

vi) सूचना एवं संचार तकनीकी की ज्ञान निर्माण में भूमिका की जानकारी प्राप्त करना।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* सूचना प्रौद्योगिकी - अर्थ एवं परिभाषा *

सूचना प्रौद्योगिकी :- आँकड़ो की प्राप्ति, सूचना संग्रह, सुरक्षा, परिवर्तन, आदान-प्रदान, अध्ययन, डिजाइन आदि कार्यों तथा इन कार्यों के निष्पादन के लिये आवश्यक कंप्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों से संबंधीत है।

सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ एवं परिभाषा :- 'मैकमिलन डिक्शनरी ऑफ इनफोर्मेशन टेक्नोलॉजी' में सूचना प्रौद्योगिकी को परिभाषित करते हुए यह विचार व्यक्त किया गया है की कंप्यूटिंग और दूरसंचार के सम्मिश्रण पर आधारित माईक्रो-इलेक्ट्रानिक्स द्वारा मौखिक, चित्रात्मक, मूलपाठ विषयक और संख्या संबंधी सूचना का अर्जन, संसाधन, भंडारण और प्रसार है।

सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषा (यूनेस्को के अनुसार) :- सूचना प्रौद्योगिकी वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय और इंजीनियरिंग विषय है। और सूचना की प्रोसेसिंग, उनके अनुप्रयोग की प्रबंध तकनीकें है। कंप्यूटर और उनकी मानव तथा मशीन के साथ अंत: क्रिया एवं संबद्ध सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विषय।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* सूचना प्रौद्योगिकी का महत्त्व *

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा अर्थतंत्र (service Economy) का आधार है। पिछड़े देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एक सम्यक तकनीकी (appropriate technology) है।

- गरीब जनता को सूचना-सम्पन्न बनाकर ही निर्धनता का उन्मूलन किया जा सकता है।
- सूचना-संपन्नता (सूचना-सम्पन्नता) से सशक्तिकरण होता है।
- सूचना तकनीक का प्रयोग योजना बनाने, नीति निर्धारण तथा निर्णय लेने में होता है।
- यह नये रोजगारों का सृजन करती है।

सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से सरकारी नीतियों को असरदार बनाया जा सकता है, साथ ही लोकतंत्र (लोकतन्त्र) की सभी पहलुओं को जन केंद्रित (केन्द्रित) किया जा सकता है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न घटक *

* कंप्यूटर हार्डवेयर प्रौद्योगिकी
* कंप्यूटर सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी
* दूरसंचार व नेटवर्क प्रौद्योगिकी
* मानव संसाधन
* सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) *

सूचना प्रौद्योगिकी में संचार क्रान्ति के फलस्वरूप अब इलेक्ट्रानिक संचार को भी सूचना प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख घटक माना जाने लगा है और इसे सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) भी कहा जाता है। ICT का फुल फॉर्म इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (Information and Communications Technology; ICT) होता है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव *

सूचना क्रान्ति से समाज के सम्पूर्ण कार्यकलाप प्रभावित हुए हैं - शिक्षा (e-learning), स्वास्थ्य (ehealth), व्यापार (e-commerce), प्रशासन, सरकार (e-governance), उद्योग, अनुसंधान व विकास, संगठन, प्रचार, धर्म, आदि सब के सब क्षेत्रों में कायापलट हो गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी ने पूरी धरती को एक गाँव बना दिया है। इसने विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर एक वैश्विक अर्थव्यवस्था को जन्म दिया है। यह नवीन अर्थव्यवस्था अधिकाधिक रूप से सूचना के सृजनात्मक व्यवस्था व वितरण पर निर्भर है।

इसके कारण व्यापार और वाणिज्य में सूचना का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। इसीलिए इस अर्थव्यवस्था को सूचना अर्थव्यवस्था (Information Economy) या ज्ञान अर्थव्यवस्था (Knowledge Economy) भी कहने लगे हैं।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* सूचना प्रौद्योगिकी का भविष्य *

सूचना के महत्व के साथ सूचना की सुरक्षा का महत्व भी बढ़ेगा। सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े कार्यों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, विशेष रूप से सूचना सुरक्षा एवं सर्वर के विशेषज्ञों की मांग बढ़ेगी।

वर्तमान समय अर्थात कोरोना काल में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का प्रत्येक क्षेत्र में जमकर प्रयोग किया गया। उदाहरण के लिए -

1. वर्क फ्रॉम होम यानिकी घर पर बैठ-बैठे आप किसी कंपनी में काम कर सकते हैं।

2. लर्न फ्रॉम होम यानिकी घर पर बैठ-बैठे शिक्षा ग्रहण करना।

अत:

कहा जा सकता है कि, समय के साथ सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े कार्यों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, नया सूचना प्रौद्योगिकी का और अधिक व्यापक रूप से विकास होगा।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* महत्वपूर्ण लिंक *

* Teaching methods - Heuristic, lecture, Inductive, Deductive etc.

* Principles of Growth & Development

* क्रियात्मक अनुसन्धान (Action Research) - अर्थ, क्षेत्र (scope), महत्व, लाभ

* क्रियात्मक शोध के चरण या सोपान (steps of Action Research)

* मानसिक मन्दितों की शिक्षा - शिक्षा के नियम, शिक्षक की भूमिका

* श्रवण विकलांगता - अर्थ, कारण, वर्गीकरण, लक्षण, पहचान और विशेषताएँ

* विशेष शिक्षा की आवश्यकता | Need for special Education

* New Education policy 1986 - characteristics & objectives in Hindi

* राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 1992 की संकल्पनाएँ या विशेषताएँ - NPE 1992

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की उपयोगिता *

शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की उपयोगिता निम्नलिखित क्षेत्रों में दर्शायी गयी है -

* सूचना संवाहन -
सूचना का महत्व तभी है जब वह सूचना उचित समय पर, उचित व्यक्ति के पास पहुँच जाय, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने इस कार्य को अपने सूचना संवाहन तंत्र के द्वारा सुलभ करा दिया है।

* बौद्धिक प्रशासन -
वर्तमान बौद्धिक प्रशासन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का इतना उपयोग किया जा रहा है कि सभी सूचनाओं, आकड़ों का निर्माण तथा प्रेषण कम्प्यूटर से ही किया जा रहा है।

* अभिलेखीकरण -
शिक्षा में अभिलेखों के निर्माण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने अपनी उपयोगिता साबित की है। प्रौद्योगिता के तहत सूचनाओं का निर्माण अब कम्प्यूटर से किया जा रहा है, विद्यालय के अभिलेख कम्प्यूटर से बनाए जा रहे हैं।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* दूरस्थ शिक्षा प्रणाली -

सूचना तथा संचार प्रविधियों ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के परस्पर मकीकरण तथा सामंजस्य से दूरस्थ शिक्षा की प्रविधियों, शिक्षण सामग्री, कॉन्फ्रेंसिंग दूरवर्ती कॉन्फ्रेंसिंग, कम्प्यूटर आदि के प्रयोग ने दूरस्थ शिक्षा का सहज रूप से ग्राह्य किया है।

* पाठ्यक्रम निर्माण -

शिक्षा में अभिलेखों के निर्माण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने अपनी उपयोगिता साबित की है। प्रौद्योगिकी के तहत सूचनाओं का निर्माण अब कम्प्यूटर से किया जा रहा है। विद्यालय के अभिलेख कम्प्यूटर से बनाये जा रहे हैं।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* ज्ञान निर्माण में आई.सी.टी. की भूमिका *

आज सूचना एवं संचार तकनीकी के क्षेत्र में विकास से विभिन्न क्षेत्रों में काफ़ी बदलाव आया है। सूचना एवं संचार तकनीकी के साधनों का ज्ञान-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका को निम्नानुसार बताया जा सकता है।

1) प्रभावपूर्ण ढंग से ज्ञान निर्माण -
ज्ञानेंद्रियों को ज्ञान का द्वार कहा जाता है। वैक्षिक तकनीकी साधनों के प्रयोग से दो महत्वपूर्ण ज्ञानेंद्रियों-चक्षु एवं श्रवणेंद्रियों का उपयोग कर ज्ञान प्राप्त करने के बहुमूल्य अवसर मिलते हैं।

2) उत्तम अभिप्रेरणा स्त्रोत -
बालक स्वभाव से ही क्रियाशील होते हैं। उन्हें वस्तुओं और प्रक्रियाओं को देखने-सुनने में रुचि होती है। वैक्षिक तकनीकी साधनों की सहायता से पढ़ना-पढ़ाना, उनकी मूल प्रवृत्तियों, स्वाभाविक रुचियों, बुनियादी प्रेरणा स्त्रोतों तथा प्रयोजनों से मेल खाता है। अति आधुनिक तकनीकी साधन, अधिगम प्रक्रिया में ये बहुत प्रभावपूर्ण स्त्रोत सिद्ध होते हैं।

3) रुचि और ज्ञान बढ़ाना -
सीखने वैक्षिक तकनीकी साधनों का प्रयोग शिक्षण-अधिगम के नीरस वातावरण में एक विचित्र प्रकार की ताजगी और रस भर देता है जिसके परिणामस्वरूप शिक्षार्थी कठिन से कठिन बातों को सीखने-समझने में पर्याप्त रुचि उत्साह दिखाते

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

है। इस प्रकार की रुचि और उत्साह उन्हें पढ़ने में पूरा ध्यान केंद्रित करने की प्रक्रिया में भरपूर सहयोग देते हैं और परिणाम स्वरूप सीखने-सिखाने के क्षेत्र में बहुत ही प्रभावपूर्ण परिणाम सामने आते हैं।

4) उचित बिम्ब और प्रभाव -

सीखने की प्रक्रिया में बालक अनुभव द्वारा मानस में प्रतिबिम्ब बनाते हैं। उनका प्रभाव अधिगम परिणामों की दृष्टि से बहुत महत्व रखता है। आधुनिक तकनीकी साधन मानस बिम्बों के रूप में अपने पीछे स्थायी चिन्ह छोड़ने का कार्य करते हैं। जिनके द्वारा स्थायी एवं प्रभावपूर्ण अधिगम अनुभव प्राप्ति में बहुत सहायता मिलती है।

5) प्रत्यक्ष अनुभव -

अनुभव को सबसे अच्छा शिक्षक माना जाता है। परन्तु बहुत बार न तो प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करना सम्भव हो पाता है और न ऐसा करना समय, शक्ति और धन की दृष्टि से विवेकपूर्ण ही माना जा सकता है। इस दृष्टि से प्रत्यक्ष अनुभव की तरह वैकल्पिक अनुभव देने हेतु शैक्षिक तकनीकी साधन बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिससे शिक्षण और अधिगम को अधिकाधिक यथार्थ, सार्थक और जीवन्त बनाया जा सकता है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* सुचना एवं संचार तकनीकी के विविध साधन और उनके उपयोग के संभाव्य क्षेत्र *

सूचना एवं संचार तकनीकी के विविध साधन आज तंत्रयुग में विकसित हुए हैं। इन साधनों के माध्यम से सूचना एवं संचार तकनीकी के क्षेत्र का विकास हुआ है। सुचना एवं संचार तकनीकी एवं संचार तकनीकी क्षेत्र के विकसित साधनों से शिक्षा क्षेत्र मे द्रुत गति से विकास हुआ है।

साधनों के प्रकार

* दृश्य साधन –
प्रदर्शन, स्थिरचित्र, दृश्य प्रतीक, मानचित्र, एटलस, भित्तीचित्र, ग्लोब, रेखाचित्र, आलेख चित्र, चित्र विस्तारक यंत्र, चार्ट, बुलेटिन बोर्ड, फॅनल बोर्ड आदि साधनों का समावेश दृश्य साधनों में होता है।

* श्रव्य साधन –
रेडियो, टेपरिकॉर्डर, ऑडिओ रिकॉर्डर, सम्मेलन, साक्षात्कार, सार्वजनिक सभा, टेलिफोन आदि साधनों का समावेश श्रव्य साधनों में होता है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* दृश्य-श्रव्य साधन -

नाटक, फिल्म, चलचित्र (दृश्य-श्रव्य), दूरदर्शन, वीडियो प्लेअर, सी.डी. प्लेअर, संगणक, टेलिकान्फ्रेंसिंग, उपग्रह प्रक्षेपण, इंटरनेट आदि साधनों का समावेश दृश्य-श्रव्य साधनों में होता है।

सूचना एवं संचार तकनीकी के प्रमुख साधन निम्नलिखित हैं :

i) रेडियो प्रसारण -

यह शिक्षण का श्रव्य साधन है। आजकल रेडियो प्रसारण सुनना प्रत्येक व्यक्ति की रूचि में शामिल है। रेडियो जनसंचार का प्रभावी एवं महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षण हेतु रेडियो का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। शिक्षण विशेषज्ञ, शैक्षिक विचारक, शैक्षिक दर्शनशास्त्री, शिक्षा विषयक नवाचार का प्रसारण रेडियो द्वारा प्रभावी रूप से कर सकते हैं। यह सूचना एवं संचार ~~एवं सं~~ तकनीकी का शिक्षा के लिए उपयुक्त प्रयोग है।

ii) टेपरिकॉर्डर -

बालकाव्य, भाषा संभाषण, भाषण कौशल, देशभक्ति एवं शैक्षिक काव्य, प्रेरणादायी विचारों का संकलन, शिक्षा विशेषज्ञ, आदर्श पाठ्यक्रम आदि के शिक्षा के उपयोग में टेपरिकॉर्डर प्रभावी साधना सिद्ध हुआ है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

iii) शिक्षण मशीन -

बी. एफ. स्किनर ने सर्वप्रथम शिक्षण मशीन का प्रयोग किया जिसमें विद्यार्थियों को मशीन के माध्यम से ज्ञान्य अनुक्रिया के लिए स्पष्टीकरण दिया जाना है। इससे विद्यार्थी अपनी त्रुटि सुधार लेता है तथा उसे पुनर्बलन भी मिलता है। अभिक्रमित अनुदेशन के प्रस्तुतिकरण में शिक्षण मशीन बहुत उपयोगी सिद्ध हुई है।

iv) टेलिटेक्स्ट -

टेलीटेक्स्ट संगणक तकनीक की एक युक्ति है। इसका प्रयोग रेलवे, एअर ट्रैफिक कंट्रोल, एअरलाइंस, पूछताछ आदि विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा सकता है। विद्युत उपकरण की सहायता से टेलीटेक्स्ट प्रयोक्ता, प्रसारण सूचना में से वांछित सूचना का चयन कर सकता है। टेलीटेक्स्ट संचार तकनीकी में टेलीविजन प्रसारण केंद्र से सूचना को टेलीविजन नेटवर्क के माध्यम से प्रसारित किया जाता है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* शिक्षा के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी की आवश्यकता और महत्व *

शत-प्रतिशत संचार माध्यम का तात्पर्य दो बिन्दुओं को जोड़ने वाला होता है। संचार माध्यम भी सम्प्रेषक एवं श्रोता को आपस में जोड़ते हैं। हेराल्ड डी. लासवेल के अनुसार, "संचार माध्यम के प्रमुख कार्य हैं - सूचना संग्रह एवं प्रसार, सूचना विश्लेषण, सामाजिक मूल्य एवं ज्ञान का सम्प्रेषण एवं व्यक्तियों का मनोरंजन करना।"

* सूचना एवं संचार तकनीकी मनोरंजन, ज्ञान के स्तर में वृद्धि, सूचना विश्लेषण, सूचना संग्रह एवं प्रसार को सम्भव बनाते हैं।

* शिक्षा, स्वास्थ्य, अभियांत्रिकी, स्थापत्य, कृषि, व्यापार, सुरक्षा आदि क्षेत्रों के विकास हेतु महत्वपूर्ण हैं।

* ज्ञानसंवर्धन, निर्णयक्षमता आदि हेतु उपयुक्त एवं आवश्यक है।

* व्यावसायिक, सरकारी, गैर सरकारी और आम जन के मध्य क्रियाकलापों को गति प्रदान करता है।

* दूरस्थ शिक्षा हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है।

* जनसंचार हेतु आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* शिक्षा प्रणाली को सुचारु रूप से कार्यरत एवं समस्या निवारण हेतु महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है।
* पाठ्यक्रमों का निर्माण, पाठ्यक्रमों को संचालित करने के लिए महत्वपूर्ण है।
* औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्रों की शिक्षा के विकास हेतु उपयुक्त है।
* सरल अध्ययन-अध्यापन हेतु महत्वपूर्ण है।
* टेलीकान्फ्रेंसिंग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
* ई-कक्षा के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* सारांश *

भारत में विभिन्न क्षेत्रों के विकास में सूचना एवं संचार तकनीकी का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षा व्यवस्था में बदलाव लाने में सूचना एवं संचार तकनीकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी एवं सरल बनाने में सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधन उपयोगी सिद्ध हुए हैं। ज्ञान संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसारण के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी आज के युग में आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है। सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधनों के प्रभावशाली उपयोग ने जीवन के सभी पक्षों को प्रभावित किया है। शिक्षार्थियों में रुचि बढ़ाना, अभिप्रेरित करना, अधिगम अरि प्रशिक्षण देना, अनुकूल शैक्षिक वातावरण, विभिन्न शक्तियों का विकास आदि के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी महत्वपूर्ण एवं उपयुक्त है। इसके उपयोग से शिक्षण प्रक्रिया परिणामकारक सिद्ध हुई है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

* निष्कर्ष *

शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी का उपयोग शिक्षण अधिगम क्रिया को रुचिकर बनाने में मदद करता है। साथ ही साथ यह स्वतन्त्र अधिगमकर्ता बनने के लिए संसाधन और शैक्षणिक ढांचा दोनों प्रदान कर सकता है। आई.सी.टी. सभी अधिगमकर्ता को समान भी अवसर भी उपलब्ध करने में मदद कर सकता है। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में आई.सी.टी. का उपयोग कक्षा आधारित शिक्षण अधिगम के साथ-साथ दूरस्थ शिक्षा में भी कर सकते हैं।

समय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी आई.सी.टी. का प्रयोग अपरिहार्य होता जा रहा है। एक बेहतर शिक्षक बनने में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आपको आनंददायी सुविधायें एवं सहयोग प्रदान करती है।

Sundaram
FOR EDUCATIONAL USE

Subject... Date ....

Note / Remarks...

महाविद्यालय का नाम :- सोनोपंत दांडेकर
महाविद्यालय पालघर

नाम :- आन्चल विठ्ठू बारी

कक्षा :- तृतीय वर्ष(कला)

हजेरी क्र. :- 707

विषय :- हिन्दी सेमिस्टर :- 5 पेपर नं.:6

प्रकल्प का नाम :- सूचना प्रौद्योगिकी अर्थ
परिभाषा, स्वरूप और विकास
सूचना प्रौद्योगिकी हिन्दी सॉफ्टवेयर
परिचय, अनुप्रयोग और महत्त्व

मार्गदर्शिका :- डॉ. संगीता ठाकुर

शैक्षणिक वर्ष :- 2022-23

D-7 FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject..... Date .....

Note / Remarks.....

अनुक्रमणिका

अ.क्र		पान.क्र
1.	प्रस्तावना	1 ते 2
2.	उद्देश्य	3 ते 4
3.	सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ	5 ते 7
4.	सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषा	8 ते 10
5.	सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप	11
6.	सूचना प्रौद्योगिकी का विकास	12
7.	सूचना प्रौद्योगिकी का हिन्दी सॉफ्टवेयर परिचय	13 ते 14
8.	सूचना प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग	15 ते 17
9.	सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व	18 ते 19
10.	सारांश	20
11.	ग्रंथसूची	21
12.	निष्कर्ष	22

Subject.. Date ①

Note / Remarks..

प्रस्तावना

वर्तमान युग को सूचना प्रौद्योगिकी यानी कि तकनीकी का युग कहा जाता है। आज सूचना प्रौद्योगिकी का व्यावसायिक तथा सामाजिक आवश्यकताओं की दृष्टि से विशेष महत्त्व है। इसकी सहायता से एक स्थान से दूसरे स्थान पर तथा कम से कम समय में सूचनाओं का आदान प्रदान किया जा सकता है।

विज्ञान ने इस आवश्यकता को पूरा करने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विज्ञान की इस भूमिका के संदर्भ में हम सार रूप में यह कह सकते हैं कि विज्ञान ने सूचना प्रौद्योगिकी का निर्माण किया है।

सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्गत सूचना के आदान-प्रदान के लिए पहले केवल टेलीफोन का उपयोग किया गया था लेकिन कुछ समय बाद फैक्स, पेपर, कंप्यूटर आदि संसाधनों का उपयोग आरंभ हो चुका है इसके पश्चात इंटरनेट के प्रयोग ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक

D-7 FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject..... Date .....

Note / Remarks.....

अलग ही क्रांति ला दी है आजकल इंटरनेट, ईमेल, मोबाइल फोन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आदि ने मानव जीवन को सुखमय बना दिया है।

सूचना प्रौद्योगिकी शब्द का आशय एक ऐसी स्वचालित पद्धतियों से है जो समको प्राक्रियावध करती है। अन्य शब्दों में सूचना प्रौद्योगिकी प्रत्यक्ष रूप से एक सरल एवं विशेष क्रियाओं की सहायता से बहुत बड़ी संख्या में समान सूचनाओं का प्रसार करती है।

उद्देश्य

1. समाज में सूचना प्रौद्योगिकी की बढ़ती लोकप्रियता का कारण बता सकेंगे।

2. इस क्रांति की व्याख्या कर सकेंगे तथा इसके पीछे निहित उद्देश्यों को पहचान सकेंगे।

3. उपग्रह (सेटेलाइट) की कार्यप्रणाली तथा संचार के क्षेत्र में इसके महत्व को रेखांकित कर सकेंगे।

4. समाचार संकलन, संपादन तथा प्रकाशन-प्रसारण में कंप्यूटर की भूमिका स्पष्ट कर सकेंगे।

5. पत्रकारिता के क्षेत्र में इंटरनेट और 'ई-मेल की उपयोगिता स्पष्ट कर सकेंगे।

D-7 FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject..... Date (4)

Note / Remarks.....

(6) सॉफ्टवेयर संबंधी सजातीय (व्यापक) अवधारणाओं को समझ सकेंगे।

(7) सिस्टम्स सॉफ्टवेयर और अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर के बीच अन्तर कर सकेंगे।

(8) उपर्युक्त सॉफ्टवेयरों में से प्रत्येक की क्षमताओं को समझ सकेंगे।

(9) उन विधियों को समझ सकेंगे जिनसे कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का विकास किया जाता है।

(10) उन सॉफ्टवेयर पैकेजों की पहचान कर सकेंगे जो आपकी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम होंगे।

(11) किसी समस्या को हल करने में मनुष्यों की सहायता करना।

FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject............ Date ⑤

Note / Remarks............

सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ

सूचना प्रौद्योगिकी का शाब्दिक अर्थ उस प्रौद्योगिकी से है जिसे सूचना के सन्दर्भ में अनुप्रयोग हेतु तैयार किया गया है। विधिक व्यवस्था को जब सूचना की अन्तर्वस्तु के संरक्षण की क्रिया प्रणाली प्राप्त हुई तो इसे एक महत्वपूर्ण विधिक उपलब्धि के रूप में देखा गया।

हालाँकि शीघ्र ही यह महसूस किया गया कि सूचना को तीव्रतर एवं गोपनीय ढंग से जाने में सक्षम बनाने वाली प्रौद्योगिकी भी उससे कम महत्वपूर्ण नहीं है। दूर संचार प्रौद्योगिकियों ने यह चमत्कार पहले किया और फलतः सरकारों द्वारा संरक्षित हुई। लेकिन इसका सबसे उच्च (या बुरा, जो हमारे उपयोग के तरीकों पर निर्भर है) रूप अभी आना बाकी था।

जिस सूचना प्रौद्योगिकी ने सूचना को इलेक्ट्रानिक मशीनों के द्वारा सुरक्षित और तीव्र (अथवा अब तक के सर्वाधिक सुरक्षित और तीव्रतम) तरीके से जाने के काबिल बनाया, उसने एक अभूतपूर्व क्रांति को जन्म

D-7 FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject..... Date ....6.....

Note / Remarks.....

दिया जिसे सूचना क्रांति के नाम से जाना जाता है। दुनिया को इस प्रकार आंदोलित करनेवाली प्रौद्योगिकी को सूचना प्रौद्योगिकी का नाम दिया गया।

इस प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी ऐसी प्रौद्योगिकी है जो यह सुनिश्चित करती है कि सूचना की निजता को सर्वथा अप्रभावित रखते हुए इसे तीव्र संचरण के योग्य बनाया जाय। अतः सूचना प्रौद्योगिकी उस औजार की तरह है जो किसी इलेक्ट्रानमय स्रोत या उपकरण से पुनर्प्राप्त होने वाली, या उसमें एकत्र होने वाली या उससे होकर गुजरने वाली सूचना की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

विश्व के देशों एवं लोगों को जोड़ने वाले इस अंतर राष्ट्रीय नेटवर्क को इण्टरनेशनल नेटवर्क, या, इण्टरनेट या, कभी-कभी सिर्फ नेट कहते हैं। हम इसके लिए अंतरजाल (Internet) शब्द का प्रयोग करेंगे ताकि अपनी बात को अनावश्यक क्लिष्टता से बचाया जा सके। इसके चलते एक ऐसा काल्पनिक लोक संदर्भ में आया है जो इलेक्ट्रानमयी मशीनों द्वारा संचालित एवं नियन्त्रित होता है।

FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject.. Date ...(7)...

Note / Remarks..

* सूचना का अर्थ

आंग्ल भाषा में information का अर्थ है किसी वस्तु को form या आकार देना। जब हम ज्ञान के संवहन या संप्रेषण या प्रसार हेतु इसे कोई स्वरूप देते हैं ताकि विश्व इसे जान या समझ सके, तो इस प्रक्रिया को information या सूचना देने की प्रक्रिया कहते हैं।

यह बोध बहुत कठिन नहीं है कि सूचना स्वयं ज्ञान नहीं है, बल्कि यह ज्ञान का एक संवाहक मात्र है। इस दृष्टि से, सूचना विश्व के किन्हीं दो व्यक्तियों के बीच सेतु का काम करती है। सूचना के आदान प्रदान से ही हम एक दूसरे को जान सकते हैं और परस्पर अधिक नजदीक आ सकते हैं।

Subject............ Date (8)

Note / Remarks............

सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषा

मैकमिलन डिक्शनरी ऑफ इनफोर्मेशन टेक्नोलॉजी में सूचना प्रौद्योगिकी को परिभाषित करते हुए यह विचार व्यक्त किया गया है कि कंप्यूटिंग और दूरसंचार के संमिश्रण पर आधारित माईक्रो-इलेक्ट्रानिक्स द्वारा मौखिक, चित्रात्मक, मूलपाठ विषयक और संख्या संबंधी सूचना का अर्जन, संसाधन, भंडारण और प्रसार है।

1. सूचना प्रौद्योगिकी से संबधित (सम्बन्धित) संक्षिप्त विश्वकोश में –

सूचना प्रौद्योगिकी को सूचना से संबध्द (सम्बद्ध) माना गया है। इस प्रकार के विचार कंप्यूटिंग (कम्प्यूटिंग) का शब्दकोश (डिक्शनरी ऑफ कंप्यूटिंग (कम्प्युटिंग)) में भी व्यक्त किए गए है। 'मैकमिलन डिक्शनरी ऑफ इनफोर्मेशन टेक्नोलॉजी' में सूचना प्रौद्योगिकी को परिभाषित करते हुए यह विचार व्यक्त किया गया है कि कंप्यूटिंग (कम्प्यूटिंग) और दूरसंचार के संमिश्रण पर आधारित

Subject............ Date (9)

Note / Remarks............

माईक्रो- इलेक्ट्रानिक्स व्दारा मौखिक, चित्रात्मक, मूलपाठ विषयक और संख्या संबंधी (सम्बन्धी) सूचना का अर्जन, संसाधन (प्रोसेसिंग), भंडारण (भण्डारण) और प्रसार है।

2. अमेरिकी रिपोर्ट के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी को इन शब्दों में परिभाषित किया गया है -

सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ है, सूचना का एकत्रिकरण, भंडारण (भण्डारण), प्रोसेसिंग, प्रसार और प्रयोग। यह केवल हार्डवेयर अथवा सॉफ्टवेयर तक ही सीमित नहीं है। बल्कि इस प्रौद्योगिकी के लिए मनुष्य की महत्ता और उसके व्दारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना, इन विकल्पों के निर्माण में निहित मूल्य, यह निर्णय लेने के लिए प्रयुक्त मानदंड (मानदण्ड) है कि क्या मानव इस प्रौद्योगिकी को नियंत्रित (नियन्त्रित) कर रहा है। और इससे उसका ज्ञान संवर्धन रहा है।

Subject .... Date (10)

Note / Remarks ....

3. यूनेस्को के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषा –

सूचना प्रौद्योगिकी "वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय और इंजीनियरिंग विषय है। और सूचना की प्रोसेसिंग, इनके अनुप्रयोग की प्रबंध तकनीकें है। कंप्यूटर (कम्प्युटर) और इनकी मानव तथा मशीन के साथ अंतःक्रिया एवं संबंध (सम्बन्ध) सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विषय।"

Subject.. Date (11)

Note / Remarks..

सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप

संचार माध्यमों का प्रमुख कार्य सूचना देना होता है। संचार माध्यम सूचनाएँ किस प्रकार संकलित - संपादित तथा प्रकाशित - प्रसारित करते हैं, इस बारे में आप आगे के पाठों में जानकारी प्राप्त करेंगे।

आजकल सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना तंत्र और संचार माध्यम जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है जिसका संक्षिप्त नाम आई. टी. (इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी) है। आपने भी इस शब्द के बारे में निश्चित रूप से पढ़ा या सुना होगा। पहले इस शब्द का प्रयोग सिर्फ कंप्यूटर विज्ञान तथा उपग्रह प्रणाली के लिए किया जाता था। किंतु अब इसके अंतर्गत रेडियो, टी.वी, फोटोग्राफी, प्रेस, उपग्रह, कंप्यूटर, इंटरनेट, फैक्स, टेलीविजन आदि सब कुछ आ गया है। इस पाठ में हम सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में इन सभी नए उपकरणों की भूमिका के बारे में पढ़ेंगे और यह जान सकेंगे कि इन उपकरणों के आ जाने से संचार के क्षेत्र में किस प्रकार क्रांति आई है।

Subject.................... Date (12)

Note / Remarks....................

सूचना प्रौद्योगिकी का विकास

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पिछले एक दशक में जो क्रांति आई, इसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगा है। आज कंप्यूटर के एक छोटे से पुश बटन को दबाकर विश्व के किसी भी कोने से सम्पर्क कायम किया जा सकता है।

इससे इंटरनेट, वेबसाइट आदि के द्वारा त्वरित भांति से संदेशों का आदान-प्रदान करना तथा अनेक बातों की जानकारी हासिल करना आसान हो गया है।

अब सूचना प्रौद्योगिकी दैनिक कार्य प्रणाली से लेकर चिकित्सा, स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, बीमा के साथ साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक परिवर्तन का आधार बनती जा रही है।

D-7 FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject..... Date ..13.....

Note / Remarks.....

सूचना प्रौद्योगिकी हिन्दी सॉफ्टवेयर परिचय

सॉफ्टवेयर वह साधन है जिससे सामान्य किस्म की कंप्यूटर प्रणाली द्वारा विशिष्ट कार्य कराए जा सकते हैं। इसमें कंप्यूटर द्वारा परिचालित प्रत्येक कार्य का पूर्ण और स्पष्ट वर्णन सन्निहित होता है। दूसरे शब्दों में, सॉफ्टवेयर को कंप्यूटर के लिए निर्धारित प्रोग्रामों का एक समुच्चय माना जा सकता है। प्रत्येक प्रोगाम में कंप्यूटर में डाले गए डेटा के संसाधन के लिए पूर्ण विनिर्देश होते हैं।

सॉफ्टवेयर की महत्ता निर्विवाद है क्योंकि यह कंप्यूटर को उपयोक्ता की समस्याओं का समाधान करने में सक्षम बनाता है। यह कहा जाता है कि कंप्यूटर प्रणालियों की क्षमताओं में जिस रफ्तार से वृध्दि हुई है उसके अनुरूप सॉफ्टवेयर की उपलब्धता और गुणवत्ता में वृध्दि नहीं हो पाई है। इससे सॉफ्टवेयर का पिछड़ापन प्रदर्शित होता है। इसका कारण यह होता सकता है कि कंप्यूटरों को परिपूर्ण और परिशुध्द अनुदेशों की आवश्यकता होती है। कंप्यूटर वे कार्य ही करते हैं जिनके लिए उन्हें कहा जाता है और इसलिए इनको दिए गए आदेशों में किसी प्रकार की अस्पष्टता

FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject.. Date (14)

Note / Remarks..

या दुविधा के लिए कोई स्थान नहीं होता। सॉफ्टवेयर को लिखने के लिए अनुप्रयोग के क्षेत्र में मजबूत पकड़ और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में की गहन जानकारी होनी चाहिए जैसे कंप्यूटर प्रणाली और प्रोग्रामिंग भाषाओं की जानकारी साथ ही इस कार्य के लिए संप्रेषणीयता एवं प्रेक्षणीयता की योग्यता और नवप्रवर्तन और एकीकरण की प्रतिभा की भी आवश्यकता होती है। सॉफ्टवेयर को विकसित करने के लिए अनेक प्रकार के कौशलों और विभिन्न क्षेत्रों के ज्ञान की आवश्यकता होती है। सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में मौजूदा पिछड़ापन का यह भी एक कारण हो सकता है।

Subject..... Date ...15.....

Note / Remarks.....

सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग

① शिक्षा (Education)

तकनीकी नवाचारों का उपयोग करते हुए, शिक्षक टैबलेट, सेल फोन, पीसी सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से आगामी भविष्य के लिए अपनी समझ स्थापित कर सकते है, सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) सभी हाई स्कूल और कॉलेज छोडने वालो को भी रोकने में सहायता कर रही है।

② वित्त (Finance)

सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) के बिना, ऑनलाइन खरीदारी अकल्पनीय होगी, और बैंको के लिए इन खरीद को सुरक्षित रखना अकल्पनीय होगा।

③ सुरक्षा (security)

वेबपर किए गए अंतहीन आदान-प्रदान के साथ, वेब पर बहुत अधिक डेटा उपलब्ध है। इसे सुरक्षित रखना महत्वपूर्ण है।

Subject.. Date (16)

Note / Remarks..

सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) आपकी ऑनलाइन जानकारी को सही चैनलों तक पहुंचने तक सुरक्षित रहने की लिए इसे व्यावहारिक बनाती है।

पासवर्ड और एन्क्रिप्शन का उपयोग करते हुए, सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) आपकी खुद की उन्नत जानकारी को छुपाती है, और इसे एकसेस करने का एकमात्र तरीका उन कंपनियों के पास होता है, जिनके पास आपकी अनुमति है।

(5) संचार (communication)

सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) के साथ, वैश्वीकरण (globalization) का विस्तार हुआ है। दुनिया को करीब लाया गया है, और ब्रम्हांड की अर्थव्यवस्था तेजी से एक अकेले निर्भर ढांचे (framework) में बदल रही है।

डेटा को दुनिया भर से तेजी से और प्रभावी ढंग से साझा किया जा सकता है, और लोग एक दूसरे के साथ विचार और डेटा साझा करते है।

Subject .... Date (17)

Note / Remarks ....

(5) रोजगार (Employment)

सूचना नवाचार (Information innovation) ने भी करियर के नए रास्ते खोले हैं। सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डेटा विश्लेषक, उपकरण और प्रोग्रामिंग डिजाइनर, और वेबसाइट डिजाइनर सभी डेटा नवाचार (Information innovation) के लिए अपनी जिम्मेदारियाँ देते हैं।

Subject..... Date ..18.....

Note / Remarks.....

सूचना प्रौद्योगिकी के महत्व

① सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा अर्थतंत्र (service Economy) का आधार है।

② पिछड़े देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एक (appropriate technology) है।

③ गरीब जनता को सूचना-सम्पन्न बनाकर ही निर्धनता का उन्मूलन किया जा सकता है।

④ सूचना संपन्नता से सशक्तिकरण (empowerment) होता है।

⑤ सूचना तकनीकी, प्रशासन और सरकार में लाती है, इससे को काम करने में सहायता मिलती है।

⑥ सूचना तकनीकी का प्रयोग योजना बनाने, नीति निर्धारण तथा निर्णय लेने में होता है।

FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject........................ Date (19)

Note / Remarks........................

(7) यह नये रोजगारों का सृजन करती है।

(8) सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से ~~स~~ सरकारि नीतियों को असरदार बनाया जा सकता है।

साथ ही लोकतंत्र (लोकतन्त्र) की सभी पहलुओं को जन केंद्रित (केन्द्रित) किया जा सकता है।

Subject..... Date .....

Note / Remarks.....

सारांश

भारत में विभिन्न क्षेत्रों के विकास में सूचना एवं संचार तकनीकी का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षा व्यवस्था में बदलाव लाने में सूचना एवं संचार तकनीकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी एवं सरल बनाने में सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधन उपयोगी सिद्ध हुए है। ज्ञान संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसारण के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधन आज के युग में आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है। सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधनों के प्रभावशाली उपयोग ने जीवन के सभी पक्षों को प्रभावित किया है। शिक्षार्थियों में रुचि बढ़ाना, अभिप्रेरित करना, अधिगम और प्रशिक्षण देना, अनुकूल शैक्षिक वातावरण, विभिन्न शक्तियों का विकास आदि के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी महत्वपूर्ण एवं उपयुक्त है। इसके उपयोग से शिक्षण प्रक्रिया परिणामकारक सिद्ध हुई है।

FOR EDUCATION PURPOSE MOKSHA

Subject............ Date (21)

Note / Remarks............

ग्रंथ सूची

इलेक्ट्रॉनिक मिडिया – डॉ. हरीश आरोडा

सूचना प्रौदयोगिकी कल आज – चंद्रकांत सरपाना

आधुनिक प्रौद्योगिकी – डॉ. अर्जुन निकरी

Subject..... Date .....

Note / Remarks.....

निष्कर्ष

शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी का उपयोग शिक्षण अधिगम क्रिया को रुचिकर बनाने में मदद करना है। साथ ही साथ यह स्वतंत्र अधिगमकर्ता बनने के लिए संसाधन और शैक्षणिक यांत्रा दोनों प्रदान कर सकता है। आई. सी. टी सभी अधिगमकर्ता बनने के लिए संसाधन और शैक्षणिक भी समान उपलब्ध करने में मदद कर सकता है। शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में आई. सी. टी का उपयोग कक्षा आधारित शिक्षण अधिगम के साथ-साथ दूरस्थ शिक्षा में भी कर सकते है।

समय के साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी आई. सी. टी. का प्रयोग अपरिहार्य होता जा रहा है। एक बेहतर शिक्षक बनने में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आपको आनंद-दायी सुविधांचे एवं सहयोग प्रदान करती है।

Topic | Page No. | Date

सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय

पालघर

सन - 2022 - 23

नाम - अखिल सुभाष घरत

कक्षा - तृतीय वर्ष कला

रोल नं - 630

विषय - हिंदी, पेपर नं - 06

सेमीस्टर - 05 मार्गदर्शक - डॉ. प्रा संगीता ठाकुर

प्रकल्प का नाम - सूचना प्रौद्योगिकी : अर्थ परिभाषा और सूचना प्रौद्योगिकी का व्यवहार क्षेत्र : सामान्य परिचय

For Educational Use

Topic | Page No. | Date

अनुक्रमानिका

अ. क्र	विषय	पान क्र
1	प्रस्तावना	1
2	सूचना प्रौद्योगिकी व्याख्या	2
3	सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ	3
4	सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव	4
5	सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषा	5
6	सूचना प्रौद्योगिकी का महत्त्व	6
7	सूचना प्रौद्योगिकी क्या है	7
8	सूचना प्रौद्योगिकी का भविष्य	8
9	भारत में सूचना प्रौद्योगिकी	9
10	सूचना प्रौद्योगिकी विभिन्न घटक	10
11	सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम	11

For Educational Use

Topic | Page No. | Date

अ. क्र	विषय	पान. क्र
12	व्यवसाय में सूचना संचार प्रौद्योगिक का उपयोग	15
13	व्यवसाय में आईसीटी का लाभ	16
14	किसानों पर केंद्रित चैनल जल्दी ही : प्रकाश जावडेकर	17
15	सारांश	18
16	निष्कर्ष	19

For Educational Use

Topic

Page No. 1

Date

प्रस्तावना

सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्गत सूचना के आदान प्रदान के लिए पहले केवल टेलीफोन का उपयोग किया गया था लेकिन कुछ समय बाद फैक्स, पेपर कंप्यूटर आदि संसाधनों का उपयोग आरंभ हो चुका है। इसके पश्चात इंटरनेट के प्रयोग ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक अलग ही क्रांति ला दी है। आजकल इंटरनेट ईमेल, मोबाईल, विडीयो कान्फ्रेंसिंग आदि ने मानव जीवन को सुखमय बना दिया है।

दोस्तों सूचना प्रौद्योगिकी शब्द का आशय एक ऐसी चालित पद्धतीयों से है। जो समको को प्रक्रियावध करती है। अन्य शब्दों में सूचना प्रौद्योगिकी प्रत्यक्ष रूप से एक सरल एवं विशेष क्रियाओं की सहायता से बहुत बड़ी संख्या में समान सूचनाओं का प्रसार करती है। उदाहरण के लिए आप मान सकते है। एक कंपनी के स्टॉक में वाले परिवर्तन रेल्वे के टिकट का आरंभ आदि इसी प्रकार की प्रक्रिया है।

सूचना प्रौद्योगिकी दो शब्दों से मिलकर बना है सूचना व प्रौद्योगिकी। सूचना का तात्पर्य है तथ्य, ज्ञान व जानकारी और प्रौद्योगिकी का आशय है, वह तकनीक जो सूचना को व्यवास्थेत कर सम्प्रेशण योग्य बनाती है। अतः सूचना प्रौद्योगिकी वह प्रौद्योगिकी है जिसके द्वारा हम सूचना की विभेत्र प्रक्रियाओं में वर्तमान तकनिकी का प्रयोग करते है।

For Educational Use

आई. टी. एसोसिएशन आफ अमरीका के अनुसार, कम्प्यूटर आधारित सूचना तंत्रों विशेष रूप से सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग और कम्प्यूटर हार्डवेयर के अध्ययन, अभिकल्प, विकास, कार्यान्वयन, समर्थन अथवा प्रबन्धन को सूचना को सूचना प्रौद्योगिकी कहते हैं।

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि वह प्रत्येक प्रौद्योगिकी जिसकी सहायता से सूचनाओं की प्राप्ति हो, सूचना प्रौद्योगिकी कहलाती है।

सूचना प्रौद्योगिकी व्याख्या

भाषा अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। भाषा मानव जीवन का अभिन्न अंग है। संप्रेषक के द्वारा ही मनुष्य सूचनाओं का आदान-प्रदान एवं उसे संग्रहित करता है। सामाजिक आर्थिक धार्मिक अथवा राजनीतिक कारणों से विभिन्न मानवी समूहों का क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम के फलस्वरूप विश्व का अधिकांश भाग जुड़ गया है। सूचना प्रौद्योगिक क्रांति ने ज्ञान के द्वार खोल दिये हैं। बुद्धि एवं भाषा के मिलाव से सूचना प्रौद्योगिक के सहारे आर्थिक संपन्नता की ओर भारत अग्रसर हो रहा है। इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य के रूप में ई-कॉमर्स, इंटरनेट द्वारा डाक योजना,

For Educational Use

सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ

सूचना प्रौद्योगिकी दो शब्दों से मिलकर बना है सूचना व प्रौद्योगिकी। सूचना का तात्पर्य है तथ्य, ज्ञान व जानकारी और प्रौद्योगिकी का आशय है, वह तकनीक जो सूचना को व्यवस्थित कर सम्प्रेषण योग्य बनाती है। अतः सूचना प्रौद्योगिकी वह प्रौद्योगिकी है जिसके द्वारा हम सूचना की विभिन्न प्रक्रियाओं में वर्तमान तकनीकी का प्रयोग कर सूचना प्रौद्योगिकी के द्वारा कोई संदेश, तस्वीर या विचार एक स्थान से विश्व के किसी दूसरे स्थान पर कम से कम समय में भेजे जा सकते हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार में कम्प्युटर और इंटरनेट के माध्यम का महत्वपूर्ण योगदान है जिसके द्वारा लोगों को सूचनाओं के संग्रह, सम्प्रेषण, दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रकाशन, सूक्ष्म प्रतिलिपिकरण की सुविधाएँ प्राप्त करना और दूरदराज बैठे लोगों से सीधा संवाद व सम्बन्ध बनाए रखने का सरल उपाय है।

For Educational Use

Topic

Page No. 4

Date

सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव

सूचना प्रौद्योगिकी ने पूरी धरती को एक गाँव बना दिया है। इसने विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर एक वैश्विक अर्थव्यवस्था को जन्म दिया है। यह नवीन अर्थव्यवस्था अधिकाधिक रूप से सूचना के रचनात्मक व्यवस्था व वितरण पर निर्भर है। इसके कारण व्यापार और वाणिज्य में सूचना का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। इसीलिए इस अर्थव्यवस्था को सूचना अर्थव्यवस्था (Information Economy) या ज्ञान अर्थव्यवस्था (Knowledge Economy) भी कहने लगे हैं। वस्तुओं के उत्पादन (manufacturing) पर आधारित परम्परागत अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ती जा रही है और सूचना पर आधारित सेवा अर्थव्यवस्था (service economy) निरन्तर आगे बढ़ती जा रही है।

सूचना क्रान्ति से सम्पूर्ण कार्यकलाप प्रभावित हुए हैं- शिक्षा (e-learning), स्वास्थ्य (e-health), व्यापार (e-commerce), प्रशासन, सरकार (e-governance), उद्योग, अनुसंधान व विकास, संगठन, प्रचार, धर्म, आदि सब के सब क्षेत्रों में कायापलट हो गया है। आज का समाज सूचना समाज कहलाने लगा है।

For Educational Use

Topic

Page No. 5

Date

सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषा

रौले (1993:60 के) अनुसार - सूचना तकनीकी का अर्थ सूचना के एकत्रीकरण, संग्रहण, संचालन, प्रसारण तथा उपयोग से है इसका आशय हार्डवेयर अथवा सॉफ्टवेअर से नहीं है इसका आशय तो बल्कि इस तकनिक के द्वारा मानव की महत्वपूर्ण आवश्यकता एवं विभिन्न सूचनाओं की पूर्ति से है।

वेबस्टर न्यू इनसाइक्लोपीडिया के अनुसार - सूचना तकनीकी विभिन्न तकनीकों का संयुक्त पद है जिसमें विभिन्न तकनीकों द्वारा सूचना के संचालन एवं स्थानान्तरण का कार्य किया जाता है। माध्यम के रूप में कम्प्यूटर, दूरसंचार तथा माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं।

हेरॉल्डस लाइब्रेरियन्स ग्लोसरी के अनुसार- सूचना तकनीकी सूचना स्त्रोतो का विकास है, जिसे कम्प्यूटर एवं संचार माध्यमों द्वारा नियन्त्रित किया जाता है।

वेब्सटर्स डिक्शनरी के अनुसार, डाटा प्रस्तुतिकरण और वितरण हेतु कम्प्यूटर तंत्रों सॉफ्टवेयर और नेटवर्क के विकास, रखरखाव और उपयोग से सम्बन्धित प्रौद्योगिकी को सूचना प्रौद्योगिकी कहते हैं।

For Educational Use

Topic

Page No. 6

Date

सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व

- सूचना प्रौद्योगिकी सेवा अर्थतंत्र का आधार है। पिछड़े देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एक सम्यक तकनीकी है।

- गरीब जनता को सूचना - सम्पन्न बनाकर ही निर्धनता का उन्मूलन किया जा सकता है।

- सूचना - संपन्नता (सूचना - सम्पन्नता) से सशक्तिकरण होता है।

- सूचना तकनीकी, प्रशासन और सरकार में पारदर्शिता लाती है, इससे भ्रष्टाचार को कम करने में सहायता मिलती है।

- सूचना तकनीक का प्रयोग योजना बनाने, नीति निर्धारण तथा निर्णय लेने में होता है।

- यह नये रोजगारों का सृजन करती है।

- सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से सरकारी नीतियों को असरदार बनाया जा सकता है।

- साथ ही लोकतंत्र (लोकतन्त्र) की सभी पहलुओं को जन केंद्रित (केन्द्रित) किया जा सकता है।

For Educational Use

Topic

Page No. 7

Date

सूचना प्रौद्योगिकी क्या है?

जिस प्रकार भाषा अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है, उसी प्रकार सूचना शक्ति का प्रबल माध्यम है (कहा जाता रहा है Information is power - सूचना ताकत है)। संप्रेषण के लिए भाषा जरूरी है और संप्रेषण के द्वारा ही मनुष्य सूचनाओं का आदान-प्रदान एवं उसे संग्रहीत करता है। सदी के आरम्भ से ही सूचना और संपर्क क्षेत्र में विस्तार होता गया। पहले टेलिफोन, टेलीप्रेटर आए, फिर कम्प्यूटर, पेजर, मोबाइल फोन का प्रादुर्भाव हुआ, बल्कि अब इतने अधिक अत्याधुनिक संस्करण आते गए कि पता नहीं, इस पुस्तक के छपने तक आपके स्मार्ट फोन के कितने नवीनतम वर्जन (संस्करण) बाजारों में उपलब्ध मिलें। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के फलस्वरूप विश्व के अधिकांश हिस्से में जुड़ गए हैं। भौगोलिक मौजूदगी की दृष्टि से भले ही आप दुनिया के दूसरे सिरे पर बैठे हों, लेकिन सूचना-संप्रेषण की दृष्टि से इंटरनेट पर एक क्लिक के जरिए आप दुनिया के किसी भी हिस्से में क्षणांश में अपनी मौजूदगी दर्ज कर सकते हैं। यह सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) में आई क्रांति की वजह से संभव हुआ है। सूचना तकनीक (प्रौद्योगिकी) में नवीनतम प्रगति के फलस्वरूप भारत आर्थिक समृद्धि की ओर निरंतर बढ़ रहा है। ई-कॉमर्स (इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य) के क्षेत्र में हम सदैव अग्रसर हैं।

For Educational Use

Topic

Page No. 8

Date

सूचना प्रौद्योगिकी का भविष्य

सूचना के महत्व के साथ सूचना की सुरक्षा का महत्व भी बढेगा। सूचना प्रौद्योगिकी से जुडे कार्यों में रोजगार के अवसर बढेंगे विशेष रूप से सूचना सुरक्षा एवं सर्वर के विशेषज्ञों की मांग बढेगी।

वर्तमान समय अर्थात कोरोना काल में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का प्रत्येक क्षेत्र में जमकर प्रयोग किया गया। उदाहरण के लिए -

1) वर्क फ्रॉम होम यानिकि घर पर बैठे-बैठे आप किसी कंपनी में काम कर सकते हैं।
2) लर्न फ्रॉम होम यानिकि घर पर बैठे-बैठे शिक्षा ग्रहण करना।

अत: कहा जा सकता है कि समय के साथ सूचना प्रौद्योगिकी से जुडे कार्यों में रोजगार के अवसर बढेंगे तथा सूचना प्रौद्योगिकी का और अधिक व्यापक रूप से विकास होगा।

For Educational Use

Topic

Page No. 9

Date

भारत में सूचना प्रौद्योगिकी

भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का क्षेत्र तेजी से विकासित हो रहा है। इस में विभिन्न प्रयोगों का अनुसंधान करके विकास की गति को बढ़ाया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी में सूचना, आँकड़े (डेटा) तथा ज्ञान का आदान प्रदान मनुष्य जीवन के हर क्षेत्र में फैल गया है।

हमारी आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक व्यावसायिक तथा अन्य बहुत से क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी का विकास दिखाई पड़ता है। इलेक्ट्रानिक तथा डिजीटल उपकरणों की सहायता से इस क्षेत्र में निरंतर प्रयोग हो रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी, वर्तमान समय में वाणिज्य और व्यापार का अभिन्न अंग बन गयी है। संचार क्रान्ति के फलस्वरूप अब इलेक्ट्रानिक संचार को भी सूचना प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख घटक माना जाने लगा है और इसे सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (Information and communication technology, ICT) भी कहा जाता है। एक उद्योग के तौर पर यह एक उभरता हुआ क्षेत्र है।

For Educational Use

Topic

Page No. 10

Date

सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न घटक

1) कंप्यूटर हार्डवेयर प्रौद्योगिकी

इसके अन्तर्गत माइक्रो - कम्प्युटर, सर्वर, बड़े मेनफ्रेम कम्प्यूटर के साथ - साथ इनपुट, आउटपुट एवं संग्रह करने वाली युक्तियाँ आती हैं।

2) कंप्यूटर सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी

इसके अन्तर्गत प्रचालन प्रणाली (operating system) वेब ब्राउजर, डेटाबेस प्रबन्धन प्रणाली (DBMS), सर्वर तथा व्यापारिक / वाणिज्यिक सॉफ्टवेयर आते हैं।

3) दूरसंचार व नेटवर्क प्रौद्योगिकी

इसके अन्तर्गत दूरसंचार के माध्यम, प्रक्रमक (processor) तथा इंटरनेट से जुड़ने के लिए तयार तार या बेतार पर आधारित सॉफ्टवेयर, नेटवर्क - सुरक्षा, सूचना का कूटल (क्रिप्टोग्राफी) आदि हैं।

4) मानव संसाधन

तंत्र प्रशासक (system Administrator), नेटवर्क प्रशासक (Network Administrator) आदि

For Educational Use

Topic | Page No. | Date

सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम

1] रेडियो :-

भारत में रेडिओ प्रसारण की शुरुआत सन 1923 में तत्कालिन बंबई में रेडिओ क्लब की स्थापना के साथ हुई। ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना 1936 में हुई। यह अब विश्व का सबसे बडा रेडियो नेटवर्क बन चुका है और इसमें लोकप्रिय एआईआर एफएम भी शामिल है। भारत में संप्रेषण के माध्यम के रूप में रेडियो वास्तव में परिपक्व हो गया है और हर संभव तरीके से प्रगति कर रहा है।

प्रौद्योगिकी में सुधार, प्रतिस्पर्धा और रेडियो के प्रसारण क्षेत्र में विस्तार - ये वे कारण हैं जिन्हे इस जीवंत उद्योग के विकास का श्रेय जाता है।

2] टेलीविजन :-

रेडियो मनोरंजन और शिक्षा हेतू उपयोगी माध्यम है, इसलिए रेडियो फैमिली बन गया है। ज्ञान, मनोरंजन और शिक्षा।

टेलिविजन मनोरंजन एवं सूचना प्राप्ति का सबसे प्रभावी जनसंचार माध्यम है। भारत में दूरदर्शन का पहला प्रसारण 15 सितंबर, 1959 में दिल्ली से शुरु किया गया। दूरदर्शन संचार का ऐसा सशक्त साधन है जो लोकजीवन को प्रभावित किए बिना नहीं रह सकता।

For Educational Use

विदेशी टेलीविजन भारतीय संस्कृति एवं पारिवारिक मूल्यों पर आक्रमण कर रहा है।

इस तरह हम देखते हैं कि सामाजिक बदलाव के मूल्यों की एक नयी परिभाषा दूरदर्शन ने अपने प्रचार - प्रसार के माध्यमों द्वारा विकासित की है।

3) दूरसंचार (फोन एवं मोबाइल सेवा) :-

भारत के दूरसंचार क्षेत्र की विकास यात्रा के आंकड़े देखें तो आज भारत का दूरसंचार नेटवर्क लगभग 210 मिलियन टेलिफोनों के साथ विश्व के वृहतम नेटवर्कों में से एक है।

4) कम्प्यूटर :-

कम्प्यूटर को आधुनिक दूरसंचार प्रणाली की आत्मा कहा जाता है। कंप्यूटर द्वारा दूरसंचार, उपग्रह संचार, रेडियो, टीवी, समाचार पत्र - पत्रिकाएं एवं शिक्षा के क्षेत्र में नयी क्रांति आई है। टेलीफोन मोबाइल, फैक्स प्रणालियों में कंप्यूटर का उपयोग आज आम बात हो गई है। कंप्यूटर के कारण समाचार प्रेषण में क्रांति आई है।

आज कंप्यूटर के सहयोग से मुश्किल कार्य भी सरल हो गया है तथा इसकी वजह से घंटों के कार्य मिनटों में निबट जाते हैं। ज्ञान समाज के निर्माण में कंप्यूटर इंटरनेट मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

For Educational Use

कंप्यूटर इंटरनेट, मल्टीमीडिया थिंक टैंक के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। यह मशीन हमारे जीवन का अविभाज्य अंग बन गया है और ई-प्रशासन व्यवस्था में कंप्यूटर बहुआयामी साधन बन चुका है। आज मानव समाज के सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर इंटरनेट तकनीक ने अपना प्रभुत्व सिद्ध किया है। संप्रति सर्वत्र कंप्यूटर का वर्चस्व है। उद्योग, शिक्षा, यातायात नियंत्रण, चिकित्सा सुविधा संबंधी भविष्यवाणियां, मौसम संबंधी सूचनाएं और कानून व्यवस्था को अधिक कारगर बनाने में कम्प्यूटर सर्वाधिक सक्षम है।

मास मीडिया में अभूतपूर्व क्रांति लाने में इसकी अहम भूमिका है। इसके मानव जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। सामाजिक परिवर्तन में तथा समाज के विकास के लिए यह उपयुक्त संचार माध्यम है।

5] इंटरनेट :-

वर्ष 1980 में इंटरनेट की शुरुआत हुई। भारत सरकार ने 15 अगस्त, 1995 को इस सुविधा को आमजन के लिए उपलब्ध कराया। इसके बाद तो संचार सुविधाओं का तेजी से विकास हुआ। आज भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती आर्थिक शक्ति के रूप में सीना ताने खड़ा है। भारत सरकार ग्रामीण भारत को संचार सुविधाओं से लैस करने की दिशा में निरंतर

For Educational Use

ई-मेल द्वारा संभव हुआ है।
ऑनलाईन सरकारी कामकाज विषयक ई-प्रशासन, ई-बैंकिंग द्वारा बैंक व्यवहार ऑनलाईन, शिक्षा सामग्री के लिए ई-एजूकेशन आदि माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी का विकास हो रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के बहु आयामी उपयोग के कारण विकास हो रहा है।

व्यवसाय में सूचना संचार प्रौद्योगिक का उपयोग

रणनीती के एक हिस्से के रूप में ज्यादातर संगठन त्वरित और सांझिप्त समाधानों की ओर बढ रहे हैं जिसका आभिप्राय है। ऐसी मूलभूत संरचना पर निर्भरता जो अधिक मूल्य- सृजनकारी और ग्राहक - उन्मुख है। इस दृष्टी से एसएमई प्रभंधक के रूप में आप इस दिशा में बढने का उदेश्य बना सकते हैं।

आईसीटी का प्रसार सभी हिस्से में तेजी से हुआ है। और आपके संगठन की विभिन्न प्रक्रियाओं में इसकी उपयोगिता रचना रूप से लाभकारी है। एक विचारणीय बिन्दू यह है कि किसे आईसीटी आपके संगठन को एकीकृत और ग्राहक - उन्मुख बनने में सक्षम बना सकता है। और कैसे आप इस समस्त प्रक्रिया में आईसीटी का लाभ उठा सकते हैं।

For Educational Use

Topic

Page No. 16

Date

व्यवसाय में आईसीटी का लाभ

किसी संगठन को अक्सर प्रणाली में विभिन्न स्तरों पर सूचना की गति बढाने की आवश्यकता होती है। बुनियादी इससंचार ढाँचे की परंपरागत तकनीकें को अपना सबसे सरल विकल्प है। जैसे - जैसे आपके संगठन का आकार बढता जाता है। आप ईपीएबीकित अथवा आंतरिक टेलीफोन एक्सचेंज लगाने की सोच सकते है।

जैसे - जैसे संचार की परिमाण बढता जाता है। वैसे - वैसे आप कम महँगी तकनीकों जैसे वाइस ओपर इंटरनेट प्रोटोकॉल अपनाने की सोच सकते है। अनुभव से पता चला है कि इस तकनीक के इस्तेमाल से इससंचार की लागत परंपरागत फोन लाइन की तुलना में 15 से 45 प्रतिशत कम हो जाती है।

For Educational Use

Topic

Page No. 17

Date

किसानों पर केंद्रित चैनल जल्दी ही: प्रकाश जावडेकर

नई दिल्ली :- सरकार किसानों के लिए मौसम और खेती के पूर्वानुमान व बीजों आदि के बारे में पूरी जानकारी देने के लिए एक चैनल को तोहफा के रूप में देने जा रही है।

सरकार व प्रसार भारती डीडी किसान नाम के इस चैनल को जल्द ही लॉच करने की दिशा में काम कर रही है। सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि डीडी किसान को जल्द ही लॉच किया जाएगा। इस साल के अंत चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी

For Educational Use

Topic

Page No. 18

Date

सारांश

भारत में विभिन्न क्षेत्रों के विकास में सूचना एवं व्यवस्था संचार तकनीकी का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षा व्यवस्था में बदलाव लाने में सूचना एवं संचार तकनीकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी एवं सरल बनाने में सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधन उपयोगी सिद्ध हुए हैं। ज्ञान संरक्षण संवर्धन एवं प्रसारण के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधन आज के युग में आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है। सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न साधनों के प्रभावशाली उपयोग ने जीवन के सभी पक्षों को प्रभावित किया है। शिक्षार्थियों में रुचि बढाना, अभिप्रेरित करना, अधिगम और प्रोत्साहन देना, अनुकूल शैक्षिक वातावरण, विभिन्न शक्तियों का विकास आदि के लिए सूचना एवं संचार तकनीकी महत्वपूर्ण एवं उपयुक्त है। इसके उपयोग से शिक्षण प्रक्रिया परिणामकारक सिद्ध हुई है।

For Educational Use

Topic

Page No. 19

Date

निष्कर्ष

संक्षेप में हम देखें, समाचार तथ्य सांख्यिकी, समकालीन घटनाएँ और कार्यकलाप कानून, न्यायिक निर्णय आदि बातें सूचना हैं। ज्ञान पूर्वापर सम्बन्ध प्रसंग, संदर्भ या परिस्थिति की व्याख्या, अर्थ-निरूपण, विशेष रूप से धर्मग्रन्थों या आगम का आलोचनात्मक भाष्य और व्याख्या है। सम्बद्धता एवं वैचारिकता, तर्कों के रूप आदि भी ज्ञान है। ज्ञान का परिणाम है- सिद्धान्त हम उसे कहेंगे जिसमें तथ्य, डाटा एवं अन्य किसी तरह की सूचना का सुसंगत रूप में प्रासंगिक सम्बद्ध स्थापित करने का प्रयास किया गया हो तथा इस सामान्यिकरण के कारणों की व्याख्या की गई हो।

हमारे दैनिक जीवन में तथा विशेषज्ञों-द्वारा प्रयुक्त इन तीनों शब्दों में ज्ञान को सूचना या डाटा की तुलना में अधिक व्यापक माना जाता है और इसलिए इसे अपेक्षाकृत अधिक महत्व भी दिया जाता है। सही अर्थों में ज्ञान क्या है? यह सूचना और डाटा के बहुत-से अंशों का प्रयोग है, जो एक संगत तत्व के रूप में सुव्यवस्थित रहता है। यह सूचना से प्राप्त की गई एक अवस्था है।

For Educational Use